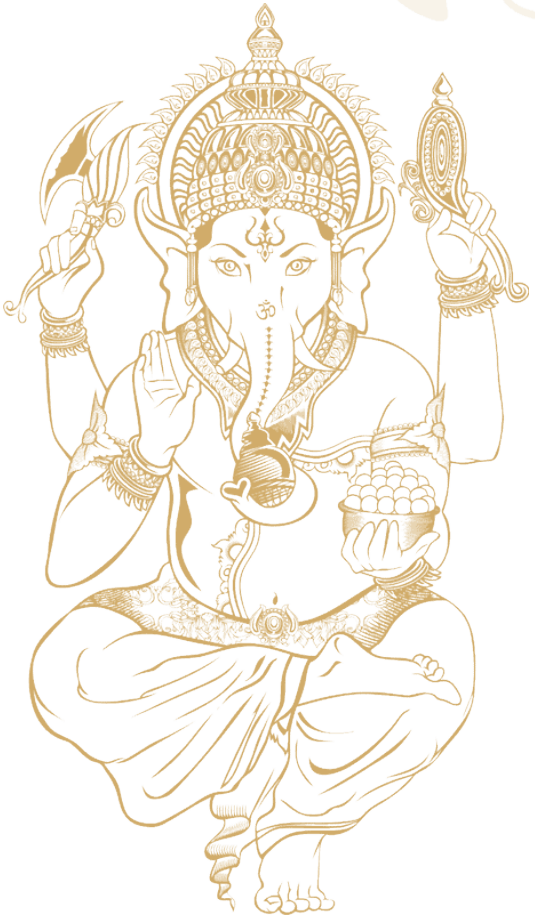

Vidyawati Pandey

14 Dec 1951

04:45 PM

Deoria

Model: web-freekundliweb

Order No: 121255802

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14/12/1951**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**16:45:00 घंटे**
इष्ट	25:26:42 घटी
स्थान	**Deoria**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:31:00 उत्तर
रेखांश	83:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:05:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:50:12 घंटे
वेलान्तर	00:05:41 घंटे
साम्पातिक काल	22:19:29 घंटे
सूर्योदय	06:34:19 घंटे
सूर्यास्त	17:03:50 घंटे
दिनमान	10:29:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	28:28:07 वृश्चिक
लग्न के अंश	24:53:43 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शुक्ल
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	घ-घटी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	24:53:43	350:55:23	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			वृश्चि	28:28:07	01:01:01	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	10:14:13	11:55:56	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			कन्या	18:09:15	00:32:49	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
बुध	व	अ	धनु	04:42:39	01:13:04	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मीन	11:24:42	00:02:56	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			तुला	14:10:10	01:08:58	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
शनि			कन्या	20:18:36	00:04:09	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	मित्र राशि
राहु	व		कुंभ	10:04:46	00:12:18	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	10:04:46	00:12:18	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		मिथु	19:36:06	00:02:22	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
नेप			कन्या	28:04:20	00:01:19	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	---
प्लूटो	व		कर्क	28:15:36	00:00:35	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
दशम भाव			कुंभ	09:43:54	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:11:16

लग्न-चलित

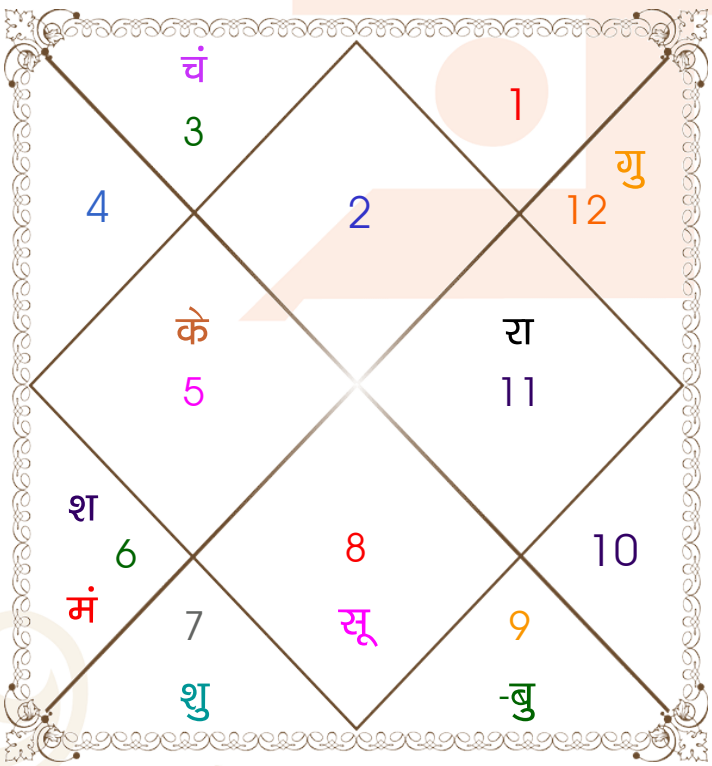

चन्द्र कुंडली

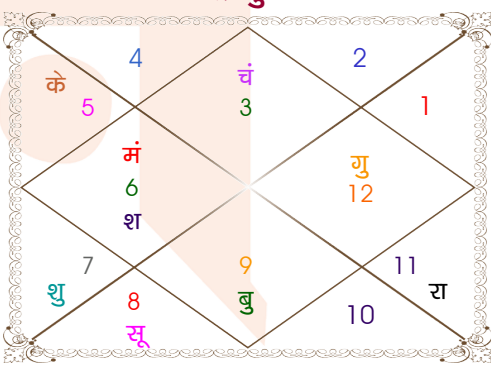

नवमांश कुंडली

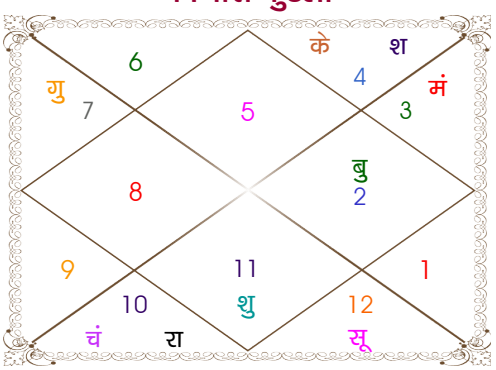

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 13 वर्ष 2 मास 4 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/12/1951		17/02/1965		17/02/1981		18/02/2000		17/02/2017	
17/02/1965		17/02/1981		18/02/2000		17/02/2017		18/02/2024	
	14/12/1951	गुरु	07/04/1967	शनि	21/02/1984	बुध	17/07/2002	केतु	16/07/2017
गुरु	25/03/1952	शनि	19/10/1969	बुध	31/10/1986	केतु	14/07/2003	शुक्र	15/09/2018
शनि	30/01/1955	बुध	25/01/1972	केतु	10/12/1987	शुक्र	14/05/2006	सूर्य	21/01/2019
बुध	19/08/1957	केतु	31/12/1972	शुक्र	09/02/1991	सूर्य	20/03/2007	चंद्र	22/08/2019
केतु	06/09/1958	शुक्र	01/09/1975	सूर्य	22/01/1992	चंद्र	19/08/2008	मंगल	19/01/2020
शुक्र	06/09/1961	सूर्य	19/06/1976	चंद्र	22/08/1993	मंगल	16/08/2009	राहु	05/02/2021
सूर्य	01/08/1962	चंद्र	19/10/1977	मंगल	01/10/1994	राहु	04/03/2012	गुरु	12/01/2022
चंद्र	31/01/1964	मंगल	25/09/1978	राहु	07/08/1997	गुरु	10/06/2014	शनि	21/02/2023
मंगल	17/02/1965	राहु	17/02/1981	गुरु	18/02/2000	शनि	17/02/2017	बुध	18/02/2024

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
18/02/2024		18/02/2044		17/02/2050		18/02/2060		18/02/2067	
18/02/2044		17/02/2050		18/02/2060		18/02/2067		00/00/0000	
शुक्र	19/06/2027	सूर्य	07/06/2044	चंद्र	19/12/2050	मंगल	16/07/2060	राहु	31/10/2069
सूर्य	19/06/2028	चंद्र	06/12/2044	मंगल	20/07/2051	राहु	04/08/2061	गुरु	14/12/2071
चंद्र	17/02/2030	मंगल	13/04/2045	राहु	18/01/2053	गुरु	11/07/2062		00/00/0000
मंगल	20/04/2031	राहु	08/03/2046	गुरु	20/05/2054	शनि	19/08/2063		00/00/0000
राहु	19/04/2034	गुरु	25/12/2046	शनि	19/12/2055	बुध	16/08/2064		00/00/0000
गुरु	18/12/2036	शनि	07/12/2047	बुध	20/05/2057	केतु	12/01/2065		00/00/0000
शनि	18/02/2040	बुध	12/10/2048	केतु	19/12/2057	शुक्र	14/03/2066		00/00/0000
बुध	19/12/2042	केतु	17/02/2049	शुक्र	19/08/2059	सूर्य	20/07/2066		00/00/0000
केतु	18/02/2044	शुक्र	17/02/2050	सूर्य	18/02/2060	चंद्र	18/02/2067		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 13 वर्ष 2 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा। वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगी। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगी। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगी।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगी। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति की प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगी। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहती है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद की सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करते है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाती है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाती हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहती हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहती हैं। आपकी पति अच्छे है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहते हैं। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करती रहेंगी।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहती हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है।

आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगी।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। किसी भी दशा में लाल रंग आपके लिए अनुकूल नही है। आपके लिए प्रमाणिक एवं लाभजनक रंग पीला, हरा एवं सफेद रंग ही उपयुक्त है।